ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

🧘‍♂️ *मंसा सेवा के मोती* 🧘‍♀️

🌹 *मैं श्रेष्ठ आत्मा परमपिता परमात्मा की छत्रछाया के नीचे बैठकर यह शुभ संकल्प करती हूं कि-* 🌹

गुणों के सागर शिव बाबा संसार की समस्त आत्माओं में दैवी गुणों का तीव्र गति से संचार होता रहे ।

!! *ओम शांति*!!

🙅‍♂️ *(यह सेवा दिन में कई बार करना है)*

Quotes Creator

SAMARPAN

व्यर्थ संकल्प आने का आधार है, शुभ संकल्प अर्थात् शुद्ध विचार, ज्ञान के खज़ाने की कमी। मिलते हुए भी यूज़ (USE) करना नहीं आता है। और जमा करना नहीं आता है। वा तो विधि नहीं आती, इस कारण वृद्धि नहीं होती। सुना अर्थात् मिला, लेकिन उसी समय अल्पकाल की खुशी, वा शक्ति का अनुभव करके, खत्म कर देते हैं। जैसे लौकिक रूप में कमाया और खाया, कुछ खाया कुछ उड़ाया। इसी रीति से धारणा शक्ति की कमजोरी होने कारण, विधि स्ो वृद्धि न करने कारण सदा स्वयं को ज्ञान और शक्तियों के खज़ाने से खाली अनुभव करते हैं। इसलिए निरन्तर शक्तिशाली नहीं बन पाते हैं। निरन्तर हर्षित नहीं रह सकते। कमज़ोर होने के कारण, माया के विघ्नों के वशीभूत वा माया के दास बन जाते हैं। साथ-साथ अन्य आत्माओं को सम्पन्न देखते हुए, स्वयं उदास हो जाते हैं। ज्ञान का खजाना जमा करना, श्रेष्ठ समय का खजाना जमा करना, वा स्थूल खज़ाने को, एक से लाख गुणा बनाना अर्थात् जमा करना, इन सब खजानों को जमा करने का मुख्य साधन है - स्वच्छ अर्थात् हमारे बुद्धि और सच्छी दिल। प्योर बुद्धि का आधार है बुद्धि द्वारा बाप को जान, बुद्धि को भी बाप के आगे समर्पण करना। समर्पण करना अर्थात् मेरापन मिटाना। ऐसे बद्धि को समर्पण किया है? शुद्रपन की बुद्धि समर्पण करना अर्थात् देना। तो देने के साथ दिव्य बुद्धि का लेना है। देना ही लेना है। जैसा सौदा करते हैं, तो देकर फिर लेते हैं ना। पैसा देना, वस्तु लेना। वैसे यहाँ भी देना ही लेना है। पहले सब कुछ देना है। कैसे? शुभ संकल्प द्वारा। सब कुछ बाप का है, मेरा नहीं। मेरेपन का अधिकार छोड़ना, इसी को ही समर्पण कहा जाता है। इसी को ही नष्टोमोहा स्टेज कहा जाता है। स्मृति स्वरूप न होने का कारण, वा व्यर्थ संकल्प चलने का कारण, उदास वा दास बनने का कारण, मेरेपन से नष्टोमोहा नहीं हैं। मेरेपन का विस्तार बहुत है। बाप-दादा भी सारा दिन सभी बच्चें का, विशेष देने की चतुराई का खेल देखते रहते हैं। अभी-अभी देंगे, अभी-अभी फिर वापिस ले लेंगे। अभी-अभी मुख से कहेंगे-मेरा कुछ नहीं, लेकिन मन्सा में अधिकार रखा हुआ है। अधिकार अर्थात् लगाव। कभी कर्म से देकर वाणी से वापिस ले लेते। चतुराई यह करते हैं कि नए के साथ पुराना भी अपने पास रखना चाहते हैं। कहलाते हैं ट्रस्टी, लेकिन प्रेक्टीकल (PRACTICAL;व्यवहार) हैं गृहस्थी। तो व्यर्थ संकल्प मिटाने का आधार है, गृहस्थीपन छोड़ना। चाहे कुमारी है वा कुमार है लेकिन, मेरा स्वभाव, मेरा संस्कार, मेरी बुद्धि यह विस्तार गृहस्थीपन है। जो समर्पण हो गए तो जो बाप का स्वभाव, वह आपका स्वभाव। जो बाप का संस्कार, वह आपके संस्कार। जैसे बाप की दिव्य बुद्धि, वैसे आपकी। तो दिव्य बुद्धि में स्मृति न रहे, यह नहीं हो सकता। एक घंटे की अवस्था भी चेक करो तो सदैव संकल्पों का आधार कोई न कोई मेरापन ही होगा। मेरेपन की निशानी सुनाई लगाव।--29-05-1977

सोलह कलाएं

आराम करने की कला

दैवीय व्यवहार करने की कला

प्रशासन करने की कला

स्वस्थ रहने की कला

सामाने की कला

व्यर्थ से समर्थ करने की कला

सिखाने की कला

लिखने की कला

परिवर्तन करने की कला

पालना करने की कला

सीखने की कला

नेतृत्व करने की कला

मधुर बोलने की कला

आगे बढ़ने व बढ़ाने की कला

मनोरंजन की कला

दूसरों को अपना बनाने की कला

संगम युग ही है जिसमें भाग्य बना सकते हो। जितना चाहो उतना बना सकते हो क्योंकि भाग्य बनाने वाला बाप का साथ है। **फिर यह बाप साथ नहीं रहेगा, न यह प्राप्ति रहेगी।** प्राप्ति कराने वाला भी अब है और प्राप्ति भी अब होनी है। अब नहीं तो कब नहीं - यह स्लोगन स्मृति में रखो।

Avyakt Murli - 15-3-1972

श्रेष्ठ प्रेरणा

नदी जब निकलती है तो कोई नक्शा पास नहीं होता कि सागर कहां है... फिर भी बिना नक्शे के वह सागर तक पहुंच जाती है...

इसलिए कर्म करते रहिए... नक्शा तो परमात्मा पहले ही बनाकर बैठे हैं... हमें तो सिर्फ बहना है...।

Download App - Learn Rajyoga Meditation

BK SHIVANI

When People are Rude to us,
Criticise us, Lie to us or Cheat us.
We blame them for our pain.

They are not hurting us.
They ARE IN PAIN.
They are Emotionally Wounded.
Emotionally Healthy cannot be wrong.

Shift from YOUR Pain to THEIR Wound.
Hurt will shift to Compassion.

ThinkRight.me

"Your Emotional Fitness App
Coming soon on your phone"

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org